तू चल तो सही खाटू। by Vijay Lakshmi

तेरी राहों से कांटे वो पल भर में हटाएगा तू चल तो सही खाटू जीवन महकाएगा तेरी राहों से कांटे वो पल भर में हटाएगा

खाटू की धरती तो है स्वर्ग से भी प्यारी लीले बैठकर श्याम करते असवारी जी ये मोरछड़ी तेरे सर पे लहराएगा तू चल तो सही खाटू जीवन महकाएगा तेरी राहों से कांटे वो पल भर में हटाएगा

जिसने भी चूमी है माटी इस धरती की बदल गई रेखा उसके तो नसीबो की निर्धन लाचारों को ये सेठ बनाएगा तू चल तो सही खाटू जीवन महकाएगा तेरी राहों से कांटे वो पल भर में हटाएगा

ये देव दयालु है तू क्यों घबराता है नेता अभिनेता भी यहाँ शीश झुकाता है क्यों चिंता करे सत्या तू मौज उड़ाएगा तू चल तो सही खाटू जीवन महकाएगा तेरी राहों से कांटे वो पल भर में हटाएगा

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a4\%a4\%e0\%a5\%82-\%e0\%a4\%9a\%e0\%a4\%b2-\%e0\%a4\%a4\%e0\%a5\%8b-\%e0\%a4\%b8\%e0\%a4\%b9\%e0\%a5\%80-\%e0\%a4\%96\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%9f\%e0\%a5\%82-by-vijay-lakshmi/$